प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय पोषण सोसाइटी, पंतनगर चैप्टर एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा एक–दिवसीय कार्यशाला शीर्षक 'महिलाओं को उनके पोषण स्तर और उपभोक्ता संरक्षण के प्रति सशक्त बनाना' विषय का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकारों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा दिनेशपुर क्षेत्र से आई लगभग 200 महिलाओं द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने महिला के स्वास्थ्य में पोषण युक्त भोजन के महत्व तथा उनके सशक्तिकरण पर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किये। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल द्वारा महाविद्यालय के समस्त विभागों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा अवगत कराया गया कि महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग समुदाय विकास एवं उनके जीवन की गुणवत्तावर्धन हेतु समर्पित है। श्रीमती बिन्दुवासिनी, परियोजना निदेशक आईएसडी, किच्छा तथा टाटा मोटर्स द्वारा कार्यक्रम के आयोजन हेतु वित्तीय एवं लोजिस्टिक सहायता प्रदान की गयी। उन्होंने श्रीमती बिन्दु वासिनी द्वारा महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त होने पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देना था, जिसके तहत विभिन्न गतिविधियाँ जैसे–पोषण स्तर का आंकलन महिलाओं के शरीर का वजन, ऊंचाई, शरीर संरचना और बी.एम.आई, हीमोग्लोबिन मूल्यांकन, शारीरिक फिटनेस इंडेक्स (पीएफआई) सम्मिलित रहीं। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा जागरूकता व्याख्यान दिये गये। डा. रीता सिंह रघुवंशी, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं संयोजक एनएसआई पंतनगर चैप्टर द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। डा. अदिति वत्स, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्त विज्ञान विभाग द्वारा उपभोक्ता अधिकार एवं संरक्षण विषय पर अपने व्याख्यान में महिलाओं को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया एवं बाजार में धोखाधड़ी से बचने के तरीके समझाए गए।

कार्यशाला के अंत में एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएँ विशेषज्ञों के सामने रखीं और समाधान प्राप्त किए। इस कार्यक्रम को महिलाओं के स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और जागरूकता बढ़ाने के लिए सराहा गया। इस कार्यशाला ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उद्देश्य को सार्थक रूप से पूरा किया और महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्म–देखभाल और अधिकारों के प्रति अधिक सचेत बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डा. अर्चना कुशवाहा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष तथा डा. नीतू डोभाल, सहायक प्राध्यापक खाद्य एवं पोषण विभाग के साथ–साथ विभाग के समस्त परास्नातक विद्यार्थियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करता रहेगा, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को निरंतर समर्थन मिले।

कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार